



Mr.manvi

06 Jun 2014

11:15 AM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 119862106

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 06/06/2014
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 11:15:00 घंटे
इष्ट _____: 14:42:09 घटी
स्थान _____: Noida
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:40:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 10:54:44 घंटे
वेलान्तर _____: 00:01:22 घंटे
साम्पातिक काल _____: 03:53:00 घंटे
सूर्योदय _____: 05:22:08 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:15:50 घंटे
दिनमान _____: 13:53:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 21:24:22 वृष
लग्न के अंश _____: 08:07:49 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: पू०फाल्गुनी - 4
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: वज्र
करण _____: बव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: टू-टुनटुन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी

गाँव हीरापुर वाले

9811075424

rajenderkaushik4444@gmail.com

2

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 6 मास 22 दिन

शुक्र 20 वर्ष 06/06/2014 28/12/2015	सूर्य 6 वर्ष 28/12/2015 28/12/2021	चंद्र 10 वर्ष 28/12/2021 28/12/2031	मंगल 7 वर्ष 28/12/2031 28/12/2038	राहु 18 वर्ष 28/12/2038 28/12/2056
00/00/0000	सूर्य 16/04/2016	चंद्र 28/10/2022	मंगल 25/05/2032	राहु 09/09/2041
00/00/0000	चंद्र 15/10/2016	मंगल 29/05/2023	राहु 13/06/2033	गुरु 03/02/2044
00/00/0000	मंगल 20/02/2017	राहु 27/11/2024	गुरु 20/05/2034	शनि 10/12/2046
00/00/0000	राहु 15/01/2018	गुरु 29/03/2026	शनि 29/06/2035	बुध 28/06/2049
00/00/0000	गुरु 03/11/2018	शनि 28/10/2027	बुध 25/06/2036	केतु 17/07/2050
00/00/0000	शनि 16/10/2019	बुध 29/03/2029	केतु 21/11/2036	शुक्र 16/07/2053
06/06/2014	बुध 22/08/2020	केतु 28/10/2029	शुक्र 21/01/2038	सूर्य 10/06/2054
बुध 28/10/2014	केतु 28/12/2020	शुक्र 29/06/2031	सूर्य 29/05/2038	चंद्र 10/12/2055
केतु 28/12/2015	शुक्र 28/12/2021	सूर्य 28/12/2031	चंद्र 28/12/2038	मंगल 28/12/2056
गुरु 16 वर्ष 28/12/2056 28/12/2072	शनि 19 वर्ष 28/12/2072 28/12/2091	बुध 17 वर्ष 28/12/2091 29/12/2108	केतु 7 वर्ष 29/12/2108 29/12/2115	शुक्र 20 वर्ष 29/12/2115 00/00/0000
गुरु 15/02/2059	शनि 31/12/2075	बुध 26/05/2094	केतु 27/05/2109	शुक्र 30/04/2119
शनि 28/08/2061	बुध 09/09/2078	केतु 23/05/2095	शुक्र 27/07/2110	सूर्य 29/04/2120
बुध 04/12/2063	केतु 19/10/2079	शुक्र 23/03/2098	सूर्य 02/12/2110	चंद्र 29/12/2121
केतु 09/11/2064	शुक्र 19/12/2082	सूर्य 27/01/2099	चंद्र 03/07/2111	मंगल 28/02/2123
शुक्र 11/07/2067	सूर्य 01/12/2083	चंद्र 29/06/2100	मंगल 29/11/2111	राहु 28/02/2126
सूर्य 28/04/2068	चंद्र 01/07/2085	मंगल 26/06/2101	राहु 16/12/2112	गुरु 29/10/2128
चंद्र 28/08/2069	मंगल 10/08/2086	राहु 13/01/2104	गुरु 22/11/2113	शनि 29/12/2131
मंगल 04/08/2070	राहु 16/06/2089	गुरु 20/04/2106	शनि 01/01/2115	बुध 07/06/2134
राहु 28/12/2072	गुरु 28/12/2091	शनि 29/12/2108	बुध 29/12/2115	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 6 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी

गाँव हीरापुर वाले

9811075424

rajenderkaushik4444@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय हैं। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्यमान हैं। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक हैं। आप विद्वान्, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान्, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान् होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नहीं करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान् एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृत्ति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृत्ति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नहीं सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।

